भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
04.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1603 का उत्तर

कैलारस से सबलगढ़ होते हुए श्योपुर तक ब्रॉड गेज रेल लाइन

1603. श्री भारत सिंह कुशवाह:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मध्य प्रदेश में निर्मित/निर्माणाधीन रेल लाइनों का ब्यौरा क्या है;

(ख) झांसी से करेरा, शिवपुरी से पोहरी, श्योपुर से सवाई माधोपुर (राजस्थान) तक नई रेल लाइनों के निर्माण कार्यों की स्वीकृति की स्थिति क्या है; और

(ग) सबलगढ़ होते हुए कैलारस से श्योपुर तक बड़ी रेल लाइन के कार्य को पूरा करने के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

S.K

कैलारस से सबलगढ़ होते हुए श्योपुर तक ब्रॉड गेज रेल लाइन के संबंध में दिनांक 04.12.2024 को लोक सभा में श्री भारत सिंह कुशवाह के अतारांकित प्रश्न सं. 1603 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार स्वीकृत किया जाता है न कि राज्य-वार क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों के द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्वों आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है, जो चालू परियोजनाओं के थ्रो-फारवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

मध्य प्रदेश में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के उत्तर मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, पश्चिम रेलवे, मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोनों में आती हैं। लागत, व्यय और परिव्यय सहित रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, मध्य प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 81,797 करोड़ रुपए लागत की 5,345 कि.मी. कुल लंबाई वाली 28 रेल परियोजनाएं (08 नई लाइनें, 02 आमान परिवर्तन और 18 दोहरीकरण) योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों हैं, जिसमें से 1,952 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 36,898 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। इसका सार निम्नानुसार है:-

S.K

योजना शीर्ष	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी.)	मार्च, 2024 तक किया गया व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	8	1962	468	11091
आमान परिवर्तन	2	809	380	5220
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	18	2574	1104	20587
कुल	28	5,345	1,952	36,898

मध्य प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और अन्य संरक्षा कार्यों के लिए वार्षिक बजट आबंटन इस प्रकार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	632 करोड़ रुपए/वर्ष
2024-25	14,738 करोड़ रुपए (23 गुना से अधिक)

वर्ष 2009-14 और वर्ष 2014-24 के दौरान मध्य प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा नीचे दिया गया है-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	145 कि.मी.	29 कि.मी./वर्ष
2014-24	2249 कि.मी.	224.9 कि.मी./वर्ष (लगभग 8 गुना)

झांसी-शिवपुरी-श्योपुर-सवाई माधोपुर नई लाइन (375.41 कि.मी.) के लिए सर्वेक्षण का कार्य पूरा कर लिया गया था परंतु कम यातायात अनुमानों के कारण इस परियोजना को आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

S.K

कैलारस से श्योपुर बरास्ता सबलगढ़, ग्वालियर से श्योपुरकलान आमान परिवर्तन परियोजना (187.53 कि.मी.) का भाग है। ग्वालियर से कैलारस खंड (63 कि.मी.) को कमीशन कर दिया गया है और इस परियोजना के लिए चालू वित्त वर्ष अर्थात् 2024-25 में 630 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

रेल परियोजना का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा तीव्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वानिकी स्वीकृतियां, लागत में भागीदारी परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा लागत के भाग को जमा करना, परियोजनाओं की प्राथमिकता अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक परिस्थितियों, परियोजना/परियोजनाओं स्थल में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों आदि के कारण विशेष परियोजना स्थल के लिए एक वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

*****

S.K